

केन्द्रीय विद्यालय संगठन, लखनऊ संभाग
प्रथम पूर्व परिषदीय परीक्षा 2022-23
विषय – हिंदी(आधार)
विषय कोड – 302
कक्षा – 12 वीं
अंक-योजना

निर्धारित समय – 3 घंटे
– 80

अधिकतम अंक

सामान्य निर्देश –

1. अंक योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है।
2. खंड 'अ' में दिए गए वस्तुपरक प्रश्नों के उत्तरों का मूल्यांकन निर्दिष्ट अंक-योजना के आधार पर ही किया जाए।
3. खंड 'ब' में वर्णनात्मक प्रश्नों के अंक-योजना में दिए गए उत्तर बिंदु अंतिम नहीं हैं। ये सुझावात्मक एवं सांकेतिक हैं।
4. यदि परीक्षार्थी सांकेतिक बिंदुओं से भिन्न, किन्तु उपयुक्त उत्तर दे तो उसे अंक दिए जाएं।
5. मूल्यांकन कार्य निजी व्याख्या के अनुसार नहीं, बल्कि अंक-योजना में निर्दिष्ट निर्देशानुसार ही किया जाए।

1	(i)-(ग) परिश्रम का महत्त्व (ii)- (घ) पुरुषार्थ (iii)- (घ) परिश्रम से (iv)- (क) परिश्रम और दृढसंकल्प (v)- (ख) प्रतिस्पर्धी के रूप में (vi)- (ग) विद्यार्थी जीवन में (vii)- (क) हरित क्रांति (viii)- (ग) केवल। (ix)- (घ) सकल पदार्थ है जग माहीं, कर्महीन नर पावत नाहीं (x)- (ग) परि	10
----------	--	-----------

<u>2</u>	(i) (घ) उपरोक्त सभी (ii)(ग) उनके मजबूर होने को (iii)(ख) उनसे बालमजदूरी कराते हैं (iv)(घ) इन सभी का (v)(ग) अच्छे बच्चे अथवा (i)(घ) घर के लोग कुछ नहीं करते हैं (ii)(क) अकाल की भीषणता और घोर निराशा की ओर (iii)(ग) अकाल की स्थितियों में बदलाव हो रहा है (iv)(ख) मानवीकरण (v)(ग) अकाल और उसके बाद की स्थितियों की	<u>5</u>
<u>3</u>	(i)(क) सबसे पहले (ii) (घ) ये सभी (iii) (क) साफ़-सुधरी और टाइड कॉपी (iv) (ग) प्रभासाक्षी (v) (ग) ड्राई-एंकर	<u>5</u>
<u>4</u>	(i)(ख) तुलसीदास - कोवेतावली (ii)(ख) कहाँ जाएं ? क्या करें? (iii)(क) ब्रजभाषा (iv)(घ) संकट के समय में ईश्वर (राम) का ही सहारा (v)(क) रूपक और अनुप्रास	<u>5</u>

5	(i) (क) बाज़ार में (ii)(घ) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी ग़लत व्याख्या करता है (iii)(ग) दोनों सही हैं (iv)(ग) I और II (v)(घ) उपर्युक्त सभी	5
6	(i)(ख) यशोधर पत (ii)(ख) मानवीय संबंधों की गरिमा और संस्कारों में रुचि न लेना (iii)(घ) वे परिवर्तन को सहजता से स्वीकार नहीं कर पाते थे (iv)(क) उसे अकेलापन भी अच्छा लगने लगा (v)(घ) बच्चों की पिटाई करते थे (vi)(ख) आत्मकथात्मक उपन्यास (vii)(ख) मूरख लोग मकान बनाते हैं , सयाने उनमें रहते हैं (viii)(घ) उपर्युक्त सभी (ix)(ग) ताकि दत्ताजी लेखक को पाठशाला भेजने के लिए दादा को समझाकर राज़ी कर सकें। (x)(ख) दत्ता जी राव जानते थे की खेती-बाड़ी में लाभ नहीं है.	10
7	<u>खंड ' ब ' (वर्णनात्मक प्रश्न)</u> रचनात्मक लेख विषयवस्तु - 2 अभिव्यक्ति - 2 भाषा - 2	6

8	किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं :— $3 \times 2 = 6$ (क) सामान्यतः रेडियो नाटक की अवधि 15 से 30 मिनट होती है, इसके अनेक कारण होते हैं; श्रोता अधिकतम 15 से 30 मिनट तक ही एकाग्रता बनाकर रेडियो नाटक को सुन सकता है। नाटक यदि अधिक लंबा या उबाऊ महसूस होता है तो वह किसी दूसरे स्टेशन को ट्यून कर सकता है या फिर उसका ध्यान कहीं ओर जा सकता है। (ख) कहानी को नाटक में रूपांतरित करने के लिए अनेक महत्वपूर्ण बातों का ध्यान रखना आवश्यक है - 1. कहानी की कथावस्तु को समय और स्थान के आधार पर विभाजित किया जाता है। 2. कहानी में घटित विभिन्न घटनाओं के आधार पर दृश्यों का निर्माण किया जाता है। 3. कथावस्तु से संबंधित वातावरण की व्यवस्था की जाती है। 4. ध्वनि और प्रकाश व्यवस्था का ध्यान रखा जाता है। 5. कथावस्तु के अनुरूप मंच सज्जा और संगीत का निर्माण किया जाता है। 6. पात्रों के द्वंद्व, कथानक और संवादों को अभिनय के अनुरूप परिवर्तित किया जाता है। (किन्हीं 3 का वर्णन आवश्यक) (ग) किसी नए अथवा अप्रत्याशित विषय पर कम समय में अपने विचारों को संकलित कर उन्हें सुंदर ढंग से अभिव्यक्त करना ही अप्रत्याशित विषयों पर लेखन कहलाता है। नए अथवा अप्रत्याशित विषयों पर लेखन में निम्नलिखित बातों का ध्यान रखना चाहिए- 1. जिस विषय पर लिखना है, लेखक को उसकी संपूर्ण जानकारी होनी चाहिए। 2. विषय पर लिखने से पहले लेखक को अपने मस्तिष्क में उसकी एक उचित रूपरेखा बना लेनी चाहिए। 3. विषय से जुड़े तथ्यों से उचित तालमेल होना चाहिए। 4. विचार विषय से सुसंबद्ध तथा संगत होने चाहिए। 5. अप्रत्याशित विषयों के लेखन में 'मैं' शैली का प्रयोग करना चाहिए। 6. अप्रत्याशित विषयों पर लिखते समय लेखक को विषय से हटकर अपनी विद्वता को प्रकट नहीं करना चाहिए।	6
---	--	---

9	किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं :— $4 \times 2 = 8$ (क) एक एंकर फ़ोन - इन में संवाददाता से फ़ोन पर बात करके सूचनाएं दर्शकों तक पहुंचाता है, जबकि ड्राई-एंकर में वह बिना विजुअल या वीडियो के केवल वाचिक प्रस्तुति देता है। (ख) पत्रकार 3 प्रकार के होते हैं— पूर्ण कालिक – नियमित वेतनभोगी अंश कालिक – निश्चित मानदेय फ्रीलांसर – भुगतान के आधार पर कार्य करने वाले (ग) रोचक, मनोरंजक, आत्मनिष्ठ, सृजनात्मक और ज्ञानवर्धक लेख। अच्छे फ्रीचर की विशेषताएँ :— 1. मनोरंजक होना चाहिए। 2. ज्ञानवर्धक होना चाहिए। 3. मानवीय रुचि पर आधारित होना चाहिए। 4. चित्रात्मक भाषा शैली होनी चाहिए। 5. कल्पना का समावेश भी आवश्यक है। 6. लंबा व घुमाउदार ना हो। 7. जिससे रुचि उत्पन्न हो। 8. भावात्मक हो। (किन्हीं चार का वर्णन आवश्यक)	8
---	---	---

10	किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं :— $3 \times 2 = 6$ (क) इस कविता में कवि ने मीडिया को संवेदनहीनता का चित्रण किया है। उसने यह बताने का प्रयत्न किया है कि मीडिया के लोग किस प्रकार से दूसरे के दुख को भी व्यापार का माध्यम बना लेते हैं। कवि कहता है कि दूरदर्शन वाले अपाहिज का मानसिक शोषण करते हैं। (ख) 'दिन जल्दी-जल्दी ढलता है' इस तथ्य की ओर संकेत करता है कि जीवन की घड़ियां जल्दी-जल्दी बीतती जाती हैं। अतः लक्ष्य तक पहुंचने के प्रयास में देरी नहीं करनी चाहिए। समय किसी की प्रतीक्षा नहीं करता। समय गतिशील एवं परिवर्तनशील है। (ग) तुलसीदास को अपने युग की आर्थिक विषमता की अच्छी समझ है। उन्होंने समकालीन समाज का यथार्थपरक चित्रण किया है। वे समाज के विभिन्न वर्गों का वर्णन करते हैं, जो कई तरह के कार्य करके अपना निर्वाह करते हैं। उनके समय में भयंकर गरीबी व बेरोजगारी थी। गरीबी के कारण लोग अपनी संतानों तक को बेच देते थे। बेरोजगारी इतनी अधिक थी कि लोगों को भीख तक नहीं मिलती थी। दरिद्रता रूपी रावण ने हर तरफ हाहाकार मचा रखा था।	6
11	किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं :— $2 \times 2 = 4$ (क) 'शीतल वाणी में आग' होने का अभिप्राय यह है कि उसकी वाणी में शीतलता भले ही दिखाई देती हो, पर उसमें आग जैसे जोशीले विचार भरे रहते हैं। उसके दिल में इस जग के प्रति विद्रोह की भावना है, पर वह जोश में होश नहीं खोता। वह अपनी वाणी में शीतलता बनाए रखता है। (ख) कवि के नीले शंख, राख से लीपा हुआ गीला चौका, सिल, स्लेट, नीला जल और गोरी युवती की मखमली देह आदि उपमानों को देखकर यह कहा जा सकता है कि उषा कविता गाँव की सुबह का गतिशील शब्द चित्र है। इन्हीं उपमानों के माध्यम से कवि ने सूर्योदय का गतिशील वर्णन किया है। ये उपमान भी कविता को गति प्रदान करते हैं। (ग) दृश्य बिंब :- बच्चे को गोद में लेना , हवा में उछालना ,स्नान कराना ,घुटनों में लेकर कपड़े पहनाना। श्रव्य बिंब :- बच्चे का खिलखिला कर हँस पड़ना। स्पर्श बिंब :- बच्चे को स्नान कराते हुए स्पर्श करना ।	4

12	किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं :— $3 \times 2 = 6$ क) १. व्यक्तित्व-भक्तिन अर्धेड़ उम्र की महिला है। उसका कद छोटा व शरीर दुबला-पतला है। उसके होंठ पतले हैं तथा आँखें छोटी हैं। २. परिश्रमी-भक्तिन कर्मठ महिला है। ससुराल में वह बहुत मेहनत करती है। वह घर, खेत, पशुओं आदि का सारा कार्य अकेले करती है। लेखिका के घर में भी वह उसके सारे कामकाज को पूरी कर्मठता से करती है। वह लेखिका के हर कार्य में सहायता करती है। ३. स्वाभिमानी-भक्तिन बेहद स्वाभिमानी है। पिता की मृत्यु पर विमाता के कठोर व्यवहार से उसने मायके जाना छोड़ दिया। पति की मृत्यु के बाद उसने किसी का पल्ला नहीं थामा तथा स्वयं मेहनत करके घर चलाया। जमींदार द्वारा अपमानित किए जाने पर वह गाँव छोड़कर शहर आ गई। ४. महान सेविका-भक्तिन में सच्चे सेवक के सभी गुण हैं। लेखिका ने उसे हनुमान जी से स्पष्ट करने वाली बताया है। वह छाया की तरह लेखिका के साथ रहती है तथा उसका गुणगान करती है। वह उसके साथ जेल जाने के लिए भी तैयार है। वह युद्ध, यात्रा आदि में हर समय उसके साथ रहना चाहती है। (ख) मेंढक मंडली पर पानी डालने को लेकर लेखक और जीजी के विचारों में अत्यधिक भिन्नता है। लेखक आर्य समाजी विचारधारा से प्रभावित है। इंदर सेना वर्षा की स्थिति में निरर्थक उछलकूद करती थी। उन पर पानी फेंकना मूर्खता थी। क्योंकि पानी की भारी कमी थी। जीजी मेंढक मंडली पर पानी फेंकने को उचित मानती है। वह कहती है कि किसी से कुछ पाने के लिए पहले कुछ चढ़ावा चढ़ाना पड़ता है। यह पानी का अर्घ्य है। पहले त्याग करने से ही फल मिलता है। वह गेहूँ की फसल पाने के लिए अच्छे बीजों को खेत में डालने का तर्क देकर अपनी बात को ठीक बताती है। (ग) कवि या साहित्यकार के लिए अनासक्त योगी जैसी स्थित प्रज्ञता होनी चाहिए क्योंकि इसी के आधार पर वह निष्पक्ष और सार्थक काव्य (साहित्य) की रचना कर सकता है। वह निष्पक्ष भाव से किसी जाति, लिंग, धर्म या विचारधारा विशेष को प्रश्रय न दे। जो कुछ समाज के लिए उपयोग हो सकता है उसी का चित्रण करे। साथ ही उसमें विदग्ध प्रेमी का-सा हृदय भी होना ज़रूरी है। क्योंकि केवल स्थित प्रज्ञ होकर कालजयी साहित्य नहीं रचा जा सकता। यदि मन में वियोग की विदग्ध हृदय की भावना होगी तो कोमल भाव अपने-आप साहित्य में निरूपित होते जाएंगे, इसलिए दोनों स्थितियों का होना अनिवार्य है।	6
------------------	--	-----------------

13	किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं :— $2 \times 2 = 4$ (क) भारतीय समाज में 'लड़के' को खरा सिक्का तथा लड़कियों को 'खोटा सिक्का' कहा जाता है। समाज में लड़कियों का कोई महत्व नहीं होता। भक्तिन को छोटे सिक्कों की टकसाल की संज्ञा दी गई है क्योंकि उसने एक के बाद एक तीन लड़कियाँ उत्पन्न कीं, जबकि समाज पुत्र जन्म देने वाली स्त्रियों को महत्व देता है। (ख) गाँव में महामारी और सूखे के कारण निराशाजनक माहौल तथा मृत्यु का सन्नाटा छाया हुआ था। इसी प्रकार का सन्नाटा पहलवान के मन में अपने बेटों की मृत्यु के कारण छाया था। ऐसे दुःख के समय में पहलवान की ढोलक निराश गाँव वालों के मन में उमंग जागती थी। इसलिए शायद गाँव में महामारी फैलने और अपने बेटों के देहांत के बावजूद लुट्टन पहलवान महामारी को चुनौती, अपने बेटों का दुःख कम करने और गाँव वालों को लड़ने की प्रेरणा देने के लिए ढोल बजाता रहा। (ग) बाजार का जादू चढ़ने और उतरने पर मनुष्य पर निम्न प्रभाव पड़ते हैं – बाजार में आकर्षक वस्तुएँ देखकर मनुष्य उनके जादू में बँध जाता है। उसे उन वस्तुओं की कमी खलने लगती है। वह उन वस्तुओं को जरूरत न होने पर भी खरीदने के लिए विवश होता है। वस्तुएँ खरीदने पर उसका अह संतुष्ट हो जाता है। खरीदने के बाद उसे पता चलता है कि जो चीजें आराम के लिए खरीदी थीं वे खलल डालती हैं। उसे खरीदी हुई वस्तुएँ अनावश्यक लगती हैं।	4
----	---	---